अधिकार से पहले कर्त्तव्य का निवहन कर प्रशासक : लोक स्वास्थ्य और जल प्रदाय मंत्री किरण महेश्वरी

ज्ञान सरोवर (आबू पवत),08 जुलाई 2016: आज ज्ञान सरोवर स्थित हामनी हॉल म ब्रह्माकुमारीज एवं आर ई आर एफ का भगिनी संस्था, प्रशासक सेवा प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान म एक अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मलेन का मुख्य विषय था -**"सुशासन और टिकाऊ विकास के लिए प्रशासकों का सशक्तिकरण"** दीप प्रज्वलित करके इस सम्मेलन का उद्घाटन
सम्पन्न हुआ।

ब्रह्मा कुमारीज के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी बृजमोहन भाई ने आज का मुख्य व्याख्यान दिया और कहा कि आप सभी ने व्यवहारिक जीवन जीने वाला मंत्री महोदया (किरण महेश्वरी जी) जी का अनुभव सुना है अभी जो प्रेरक है . अलग अलग स्थानों पर जा कर हम वहां के वातावरण से प्रभावित होते ह -काय विधि से प्रभावित होते ह . हम सोचना ये है कि हमारा प्रशासन कैसे प्रभावकारी हो सकता है ? जिसम सबका - अपना और समाज का हित समाया हो वह उत्तम काय माना जायेगा।

प्रशासन एक बात है मगर पहले है अनुशासन . हमारा खुद पर कितना नियंत्रण है ? यह विशेष बात है . अथात देखना यह है का आत्मा का खुद पर कितना शासन रहता है . अनुशासन पर ध्यान रहेगा तो प्रशासन खुद संभल जायेगा . मोदी जी ने अपनी पार्टी का आज रौनक बदल दी है . क्योंकि वे खुद को देश का प्रधान सेवक मानते ह . दर असल हम सभी को प्रेम , सम्मान और सहयोग देना चाहिए . सभी को शुभकामना देनी चाहिए. प्रदाता हमेशा दूसरों को देता है . लेता नहीं है . वृक्ष , नदियां , पहाड़ ,जंगल आदि आदि सभी दे रहा है - ले नहीं रहा है . यह आध्यात्मिक सिद्धांत प्रशासकों को हमेशा सशक्त कर देगा . इस नियम को जीवन म लागू करके संसार को हम सुन्दर बन सकते ह .

लोक स्वास्थ्य और जल प्रदाय मंत्री, राजस्थान शासन, श्रीमती किरण महेश्वरी जी ने आज के अवसर पर अपना उद्घाटन भाषण दिया . आपने कहा कि यहां का सुन्दर वातावरण इस सम्मलेन के लिए उपयुक्त है . यह स्थान मानसिक शांति देने वाला है . यहाँ मुझे और हम सभी को गहन शांति प्राप्त होती है . आज इस सम्मलेन म पूरे भारत वष के अनेक प्रशासक पधारे हुए ह .उनके लिए यह एक उत्तम अवसर है . ब्रह्म कुमारियों के जीवन से और इनकी शिक्षाओं से काफी कुछ सीखा जा सकता है . ये कहीं भी और कभी भी शांति से और प्रेम से अपना काय करते ह - मने देखा है . एक है लोगों के सेवा करना और दूसरा है प्रेम से सेवा करना . इन दोनों म फ़क़ है . इसको समझा जाना चाहिए .अपने विदेश दौरे पर मने देखा है की वहाँ तो समपण भाव से और लगन से अपने लोगों की और देश की सेवा करते ह . मगर अपने भारत वष म शायद ही कोई कोई समय पर कायालय पहुंचते होंगे . फिर वहां भी समय काटने की प्रक्रिया शुरू करगे . इसको बदलना होगा . सफलता के लिए समय बद्धता जरूरी शत है . पहले है कर्त्तव्य और बाद म है अधिकार . लोगों को सुख देने से सुख मिलेगा . कई लोगों को नींद ही नहीं आती . गोलिया लेनी पड़ती ह . जबकि प्लेटफाम पर भी अनेक लोग गहरी नींद सो जाते ह . क्योंकि वे लोग उलझनों से दूर ह . जब हम किसी को सुख दगे तो सुख मिलेगा . साथ ही लाभ पाने वालों को भी चाहिए की वे शुक्रिया कह और इसकी आदत डाल . ताली दो हाथ से बजती है .

ब्रह्मा कुमारीज के कायकारी सचिव राजयोगी मृत्युंजय जी ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्थान का परिचय दिया. कहा कि इस संस्थान का मुख्य काय है सभी का जीवन आध्यात्म के आधार पर उत्तम बनना.

संस्थान समाज के हर वग का सेवा करता है. नारियां का मान इस संस्थान ने बढ़ाया है. पयावरण के उत्थान के लिए और स्वच्छता के लिए यह संस्थान अनवरत काय कर रहा है. इसका 9000 से अधिक शाखाएं दुनिया भर म आध्यात्म का प्रकाश फैला रहा ह.

दिल्ली चंडीगढ़ शासन के चुनाव आयुक्त और दिल्ली सरकार के पूव प्रमुख सचिव राकेश मेहता जी ने कहा का हमारा विषय काफी महत्व पूण है . यह विश्व का एक मात्र संस्था जो आध्यात्म सिखाती है . मने यहां सीखा है का अपना परिवतन जरूरी है . मेरे सामने आने वाली सारी चुनौतियां को मने आराम से फेस किया . मुझे सर्वोच्च सत्ता का मदद मिलती रहा . आप भी इसका अनुभव कर पाएंगे आने वाले दिनों म .

प्रशासक सेवा प्रभाग का रास्ट्रीय संयोजक तथा भोपाल जोन का संचालिका राजयोगिनी ब्रह्मा कुमारी अवधेश बहन ने राज योग ध्यानाभ्यास करवाया. **प्रशासक सेवा प्रभाग के मुख्याल संयोजक ब्रह्मा कुमार हरीश भाई** ने धन्यबाद दिया . **जयपुर से पधारी ब्रह्मा कुमारी पूनम ने** मंच सञ्चालन किया . कुमारी आकृति और अन्य ने नृत्य प्रस्तुत किया . मधुर वाणी ग्रुप ने सुन्दर गीत गाया . इसके पूव संस्था का मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी का वीडियो सन्देश भी प्रसारित हुआ . दादी जी का सन्देश काय क्रम का मुख्य बिंदु रहा .

(रपट : बी के गिरीश , मीडिया ,ज्ञान सरोवर)